नगला देविया में आयोजित जैविक खेती मेला में उपस्थित कृषि अधिकारी व अन्य।

जैविक खेती मृदा के लिए च्यवनप्राश

नगला देविया में जैविक खेती मेला आयोजित

सौंख : जैविक खेती बदलते समय की आवश्यकता है। डीएपी और यूरिया के अंधाधुंध प्रयोग से कृषि भूमि बंजर हुई जा रही है। जबकि जैविक खेती मृदा के लिए च्यवनप्राश की तरह है, जो कि मृदा की ताकत को बनाए रखती है। यह विचार वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. एसके मिश्रा ने गांव नगला देविया के आयोजित राष्ट्रीय जैविक खेती मेला में व्यक्त किए। इससे पूर्व अन्य वक्ताओं ने भी जैविक खेती के लाभों पर प्रकाश डाला। गांव नगला देविया के कृषि शोध में लगे महाजीत सिंह ने भी जनता को जैविक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर सुरेश भगत, सोरन सिंह, वासदेव शर्मा, जगदीश सिंह, वीरेंद्र सिंह भदौरिया, हरीशंकर पटेल, रामवीर सिंह, समुद्र सिंह, छीतर सिंह, हवलदार सिंह, चतुर्भुज सिंह, घनश्याम सिंह, लोकेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

7-4-016 - दैनिक जागरण पेज नं-5

जैविक खेती के बताए लाभ

पेज नं.9

सौंख। जैविक खेती आज के समय में वक्त की आवश्यकता है। डीएपी और यूरिया के अंधाधुंध प्रयोग से कृषि भूमि बंजर हुई जा रही है, जबकि जैविक खेती मृदा के लिए च्यवनप्राश की तरह है जो मृदा की ताकत को बनाये रखती है। यह विचार वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा.एसके मिश्रा ने गांव नगला देविया के आयोजित राष्ट्रीय जैविक खेती मेला में व्यक्त किए। इससे पूर्व वक्ताओं ने भी जैविक खेती के लाभों पर प्रकाश डाला। गांव नगला देविया के कृषि शोध में लगे महाजीत सिंह ने भी जनता को जैविक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सुरेश भगत, सोरन सिंह, वासदेव शर्मा, जगदीश सिंह, वीरेन्द्र सिंह भदौरिया, हरीशंकर पटेल, रामवीर सिंह, समुद्र सिंह, छीतर सिंह, हवलदार सिंह, चतुर्भुज सिंह, घनश्याम सिंह, लोकेन्द्र सिंह आदि उपस्थित थे।

7-4-016 - हिन्दुस्तान टाइम्स